भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 18 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश पर दबाव के प्रभाव के कारण, अगले 2 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 18 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश और राजस्थान में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 18-20 जुलाई के दौरान केरल और 18 जुलाई को तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

आज दिनांक 18 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- पूर्वी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है; पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- तटीय कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पश्चिम मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; पश्चिम राजस्थान, मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, रायलसीमा, तमिलनाडु, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुलग्नक I देखें।

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और औसत समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के करीब चल रही है।
- प्रयागराज के करीब दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश पर कल का द्रोणिका क्षेत्र धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 18 जुलाई, 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश में, भिंड से 20 किमी दक्षिण-पूर्व और ग्वालियर से 50 किमी उत्तर-पूर्व में केंद्रित हो गया। इसके उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है।
- कल का पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडल स्तरों में एक द्रोणिका के रूप में लगभग अक्षांश 70° पूर्व के साथ अक्षांश 30° उत्तर के उत्तर में पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर चला गया है। अक्षांश 30°N के उत्तर में 62°E पर स्थित है। इसके उत्तर-पश्चिम भारत में दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर बने अवदाब से टकराने की संभावना नहीं है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर पाकिस्तान के मध्य भागों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व असम के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुका हुआ है।

- दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण के माध्यम से मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में लगभग अक्षांश 13°N के साथ एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर मध्य महाराष्ट्र के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- 24 जुलाई, 2025 के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

उत्तर पश्चिम भारत:

- 18 जुलाई को राजस्थान और 20 व 21 जुलाई को उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 18-24 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में; 18-22 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 21 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 20-23 जुलाई के दौरान जम्मू और कश्मीर; 20-22 जुलाई के दौरान पंजाब, हरियाणा; 18-20 जुलाई के दौरान राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, 19 जुलाई को राजस्थान में; 20-22 जुलाई के दौरान उत्तराखंड; 18 और 21 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 21-23 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कुछ/कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 18-20 जुलाई के दौरान केरल और 18 जुलाई को तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 18-24 जुलाई के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 18-22 जुलाई के दौरान तमिलनाडु; 18 और 19 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 18-23 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना में; 19 और 20 जुलाई को लक्षद्वीप; 18-20 जुलाई के दौरान रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है अगले 7 दिनों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 18 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 18 और 19 को तथा 21-23 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश में; 19-23 जुलाई के दौरान ओडिशा, छत्तीसगढ़; 22-24 जुलाई के दौरान विदर्भ; 23 और 24 जुलाई को गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड; 20-22 जुलाई के दौरान बिहार; 18-21 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है; 18 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 19 और 20 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और 24 जुलाई को ओडिशा में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ-साथ गरज और बिजली गिरने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 18-24 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 18 जुलाई को मराठवाड़ा, उत्तरी गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 20, 21, 24 जुलाई को कोंकण और गोवा में और 18, 23 और 24 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में कई स्थानों पर गरज के साथ हल्की/मध्यम वर्षा जारी रहने की संभावना है।
- 18 से 22 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 19 जुलाई को मेघालय में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश में अवदाब से जुड़ी हवाएँ:

हवा संबंधी चेतावनी: उत्तरी मध्य प्रदेश और उससे सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं। दक्षिणी हरियाणा के आसपास के इलाकों में अगले 12 घंटों के दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जो बढ़कर 50 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती हैं। इसके बाद धीरे-धीरे हवाएँ कम होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 18 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

- केरल और कर्नाटक के तटों के साथ-साथ, लक्षद्वीप, मालदीव,कोमोरिन क्षेत्रों में 18 से 23 जुलाई तक; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और यमन तट के साथ-साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 18 से 23 जुलाई तक; मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और दक्षिण और उत्तरी अरब सागर से सटे 18 से 20 जुलाई तक, मध्य अरब सागर के अधिकांश भाग और दक्षिण अरब सागर से सटे 18 से 23 जुलाई तक, दक्षिण अरब सागर के उत्तरी भाग 18 से 23 जुलाई तक न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- 18 और 23 जुलाई के दौरान दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग; 20 से 23 जुलाई के दौरान दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी, 21 से 23 जुलाई के दौरान दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों से दूर; 18 से 23 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी के ऊपर; 18 से 23 जुलाई तक अंडमान सागर के ऊपर के क्षेत्रों में जाने से बचें।
- उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 18 से 21 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** छतरपुर-एडब्ल्यूएस (जिला छतरपुर) 31; गौरिहार (जिला छतरपुर) 27; पलेरा (जिला टीकमगढ़) 23; लवकुशनगर (जिला छतरपुर) 19; राजनगर (जिला छतरपुर) 18; अजयगढ़ (जिला पन्ना) 17; खजुराहो एपी (जिला छतरपुर) 15; सतना (रघुराजनगर) (जिला सतना), सोहावल (जिला सतना), बिरसिंगपुर (जिला सतना) 14 प्रत्येक; नौगांव (जिला छतरपुर), अमरपाटन (जिला सतना), जतारा (जिला टीकमगढ़), बड़ामलहेड़ा (जिला छतरपुर), मोहनगढ़ (जिला टीकमगढ़) 13 प्रत्येक; सिरमौर (जिला रीवा) 12; पन्ना-आवास (जिला पन्ना), नागोडे (जिला सतना), मझगांव (जिला सतना), खरगापुर (जिला टीकमगढ़) 11 प्रत्येक; देवेन्द्रनगर (जिला पन्ना), नईगढ़ी (जिला रीवा) 10 प्रत्येक; टीकमगढ़-

एडब्ल्यूएस (जिला टीकमगढ़), रामपुर बाघेलान (जिला सतना), गोनौर (जिला पन्ना), रायपुरकर्चुलियान (जिला रीवा), मनगवां (जिला रीवा), अमानगंज (जिला पन्ना), बिजावर (जिला छतरपुर) 9 प्रत्येक; हनुमना (जिला रीवा), पवई (जिला पन्ना), बल्देवगढ़ (जिला टीकमगढ़), त्योंथर (जिला रीवा), सेमरिया (जिला रीवा), बिलहरी (जिला कटनी), बड़ागांव धसान (जिला टीकमगढ़) 7 प्रत्येक;

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश:**चिल्लाघाट (जिला बांदा) 20, अतर्रा (जिला बांदा) 20, कर्वी (जिला चित्रकूट) 17, बेबरू (जिला बांदा) 15, बांदा (जिला बांदा) 15, नरैनी (जिला बांदा) 12, बांदा सीडब्ल्यूसी (जिला बांदा) बांदा) 10, मानिकपुर (जिला चित्रकूट) 10, मऊ तहसील (जिला चित्रकूट) 9, राजापुर (जिला चित्रकूट) चित्रकूट) 9, कोरांव (जिला प्रयागराज) 8, छतनाग (जिला प्रयागराज) 8, अकबरपुर एनपी डीएचटी (जिला कानपुर देहात) 8, करछना (जिला प्रयागराज) 6;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश:** भानपुरा (जिला मंदसौर) 18; दतिया-एडब्ल्यूएस (जिला दतिया) 13; इंदरगढ़ (जिला दतिया) 12; भांडेर (जिला दतिया) 10; स्योढ़ा(सेंवढ़ा) (जिला दतिया), मऊ (जिला भिंड) 8 प्रत्येक; गुना-आव्स (जिला गुना), खिलचीपुर (जिला राजगढ़) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: कुलपहाड़ (जिला महोबा) 17, महोबा (जिला महोबा) 14, चरखारी (जिला महोबा) 13, मौदहा (जिला हमीरपुर) 11, राठ (जिला हमीरपुर) 11, शाहजीना एफएमओ (जिला हमीरपुर) 11, हमीरपुर ऑब्सी (जिला हमीरपुर) 10, तालबेहट (जिला ललितपुर) 8;
- **पूर्वी राजस्थान**: सांगोद (जिला कोटा) 17; मांगरोल (जिला बारां), अटरू एसआर (जिला बारां), मंडाना एसआर (जिला कोटा), अजमेर (जिला अजमेर), नसीराबाद (जिला अजमेर) 8 प्रत्येक; अजमेर तहसील एसआर (जिला अजमेर) 7;
- **तटीय कर्नाटक**: मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 16; होनावर (जिला उत्तर कन्नड़), शिराली पीटीओ (जिला उत्तर कन्नड़), गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 9 प्रत्येक; कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 8; कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़), कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: बक्साद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 13; करबल्ला टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), लीश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी), मोराघाट टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 11 प्रत्येक; बीच टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 10; चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी), गांद्रपारा चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी), जीती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), ज़ुर्राती टी.ई (जिला जलपाईगुड़ी) 9 प्रत्येक; बानरहाट हाई स्कूल (जिला जलपाईगुड़ी), पलाशबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), फागु टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) प्रत्येक 8; घीश (जिला जलपाईगुड़ी), जयबीरपारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) प्रत्येक 7;
- **तेलंगाना**: बाला नगर (जिला महबूबनगर) 12; शादनगर (जिला रंगारेड्डी) 11; शादनगर (एआरजी) (जिला रंगारेड्डी) 10; कोल्लापुर (जिला नागरकुर्नूल) 9; मैरीगुडा (जिला नलगोंडा), मट्टमपल्ली (जिला सूर्यापेट) 7 प्रत्येक;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यानम**: येरागोंडापलेम (जिला प्रकाशम) 12; गुंटूर (जिला गुंटूर) 9;
- **ओडिशा**: कोतरागुड़ा (जिला रायगड़ा) 12; पाडिया (जिला मलकानगिरी) 10; फुलबनी (जिला कंधमाल), राजगांगपुर (जिला सुंदरगढ़) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिमी राजस्थान:** पीलीबंगा एसआर (जिला हनुमानगढ़) 11; भादरा (जिला हनुमानगढ़) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र:** गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 11;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: मदुरंथागम (जिला चेंगलपट्टू) 9; तिरुत्तानी (जिला तिरुवल्लूर), जिंजी (जिला विल्लुपुरम) 7 प्रत्येक;
- **रायलसीमा**: बडवेल (जिला वाईएसआर जिला) 9; श्रीशैलम (जिला नांदयाल) 8; पकाला (जिला तिरूपति) 7;
- **बिहार**: शेखपुरा (जिला शेखपुरा), फतुहा (जिला पटना) 9 प्रत्येक; बरबीघा (जिला शेखपुरा) 8;
- **अरुणाचल प्रदेश**: देवमाली एडब्ल्यूएस (जिला तिराप) 9;
- **छत्तीसगढ़**: सुकमा (जिला सुकमा) 8;
- केरल और माहे: कुडुलु (जिला कासरगोड) 7;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: कक्केरी (जिला यादगीर) 7;
- **कोंकण और गोवा**: क्यूपेम (जिला दक्षिण गोवा) 7.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Jul	19- Jul	20- Jul	21- Jul	22- Jul	23- Jul	24- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	WS	WS
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
8	JHARKHAND	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	SCT	WS	WS	SCT	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	FWS	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	WS	SCT	SCT	SCT	ISOL	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

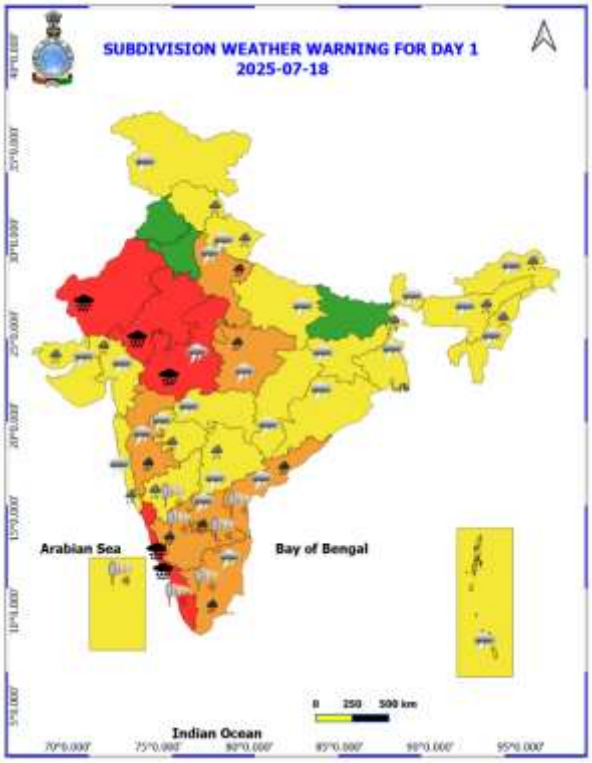
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

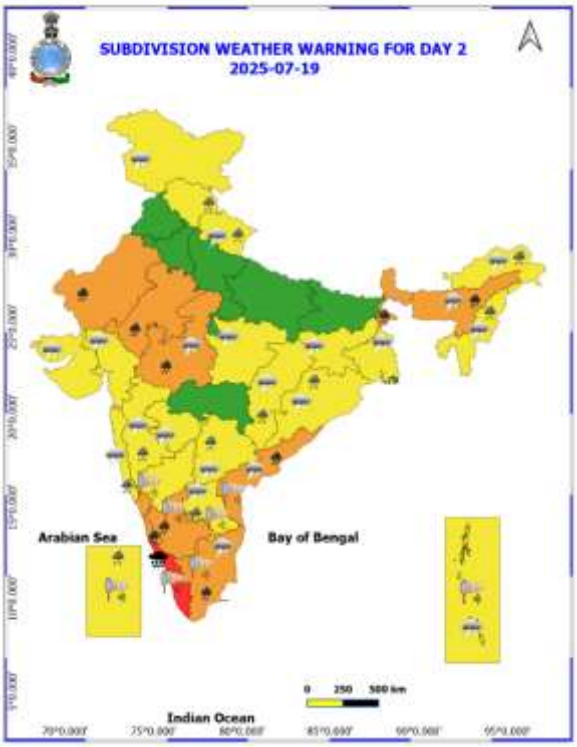
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

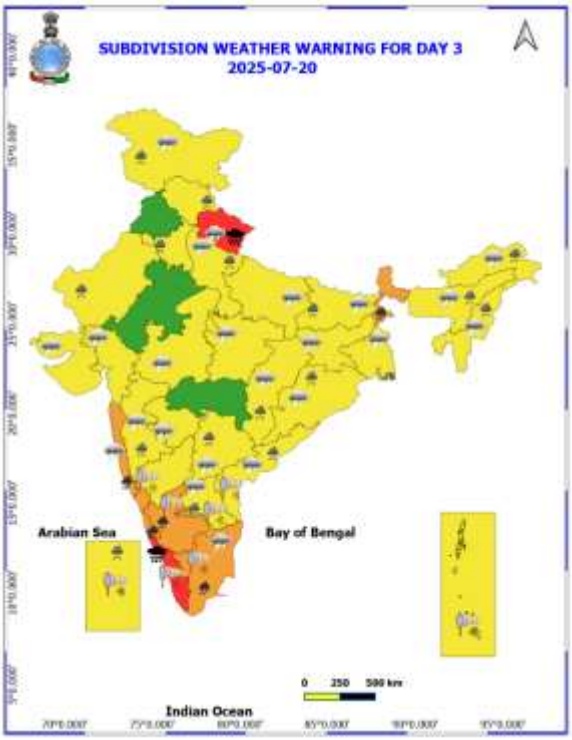
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

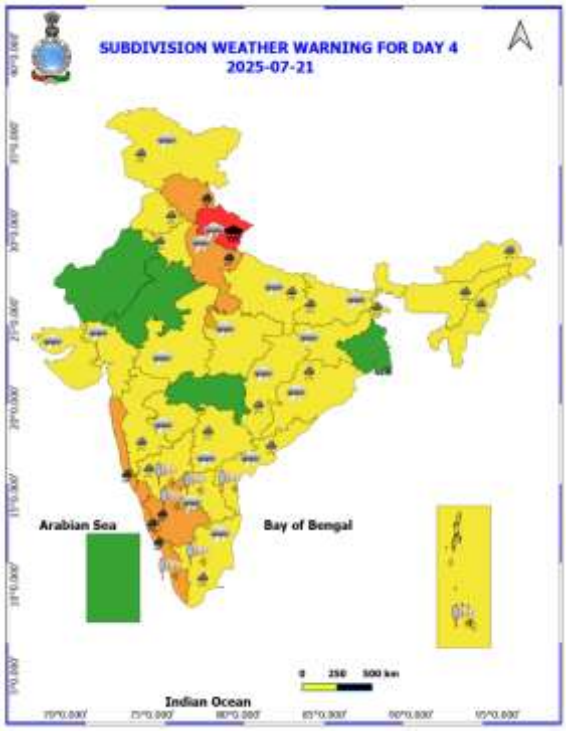

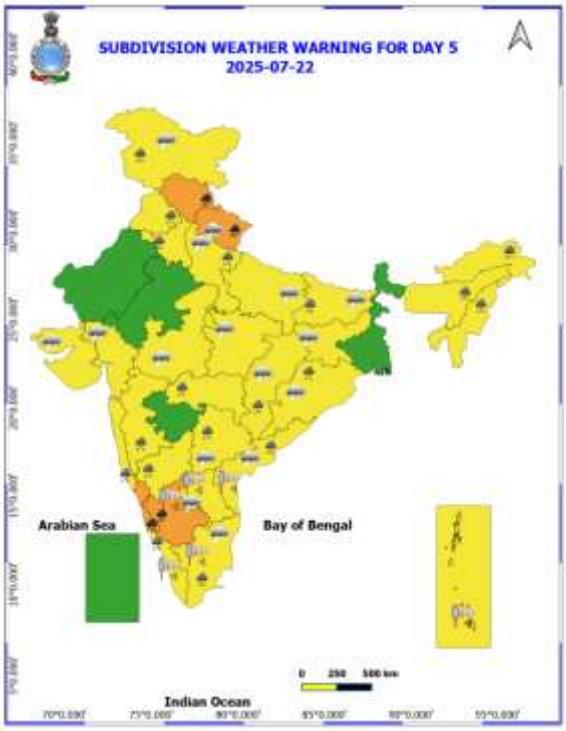

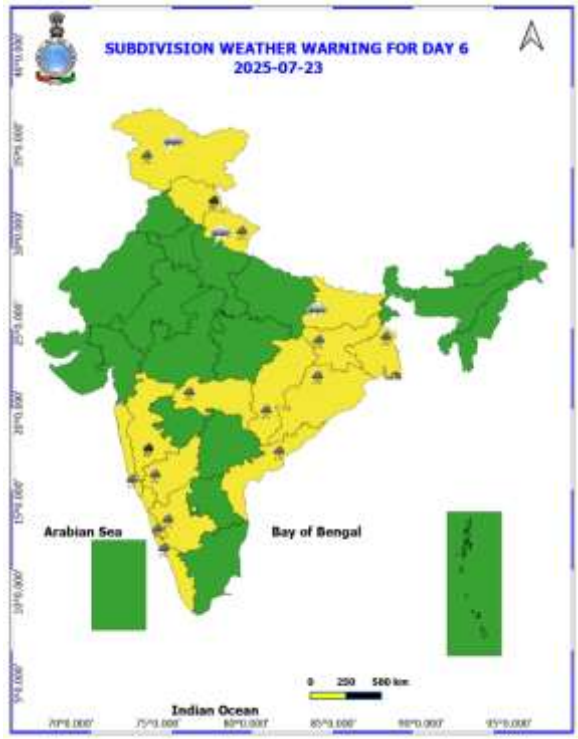

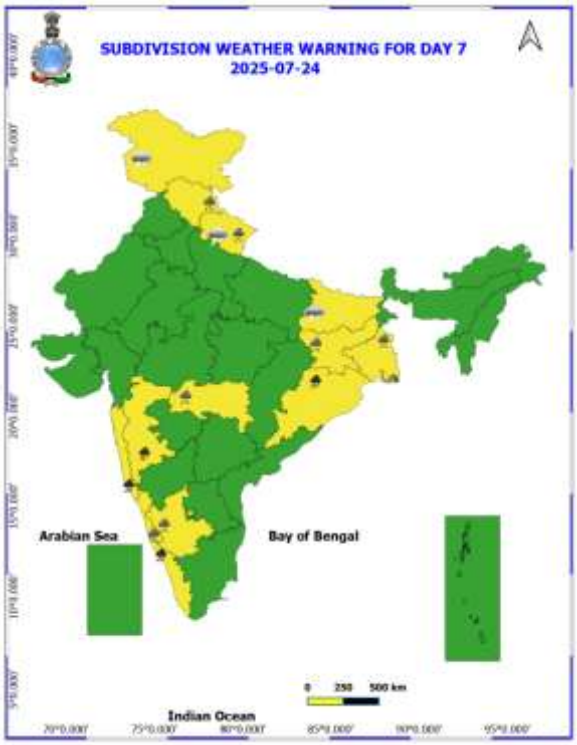

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए 18 से 21 जुलाई 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

दिल्ली/एनसीआर में पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में लगभग 1°C की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 33 से 34°C और 23 से 24°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से लगभग 2 से 3°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 1 से 2°C कम रहा। सामान्यतः बादल छाए रहे और सतही हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व/उत्तर-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा की गति से चली। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई जबकि कुछ जगहों पर मध्यम बारिश दर्ज की गई। आज पूर्वाह्न में भी क्षेत्र में सामान्यतः बादल छाए रहे और हवा की गति 20 किमी/घंटा से कम उत्तर-पूर्व दिशा से रही।

मौसम पूर्वानुमान:

18.07.2025: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ तूफानी बारिश/बिजली चमकने की संभावना। समय-समय पर तेज सतही हवा 20-30 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। मुख्य सतही हवा पूर्व दिशा से दोपहर में 25 किमी/घंटा से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी/घंटा रहेगी।

19.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C कम रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य के करीब होगा। मुख्य सतही हवा सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा से कम चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 15 किमी/घंटा से कम और शाम व रात को 12 किमी/घंटा से कम दक्षिण दिशा से चलेगी।

20.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 से 37°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C कम रहेगा, अधिकतम तापमान सामान्य के करीब होगा। मुख्य सतही हवा सुबह के समय पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी/घंटा से कम चलेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा से कम और शाम व रात को पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा से कम रहेगी।

21.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश के साथ तूफानी बारिश/बिजली चमकने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 26 से 28°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C कम रहेगा। मुख्य सतही हवा सुबह के समय पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा से कम चलेगी। दोपहर में हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा से कम और शाम व रात को दक्षिण दिशा से 10 किमी/घंटा से कम रहेगी।

हल्की से मध्यम बारिश तथा तूफानी बारिश/बिजली चमकने के कारण संभावित प्रभाव एवं सुझाव:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 18 तारीख को राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, तटीय कर्नाटक में; 20 और 21 को उत्तराखंड और 18-20 जुलाई के दौरान केरल में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- 19 तारीख को राजस्थान में; 20-22 के दौरान उत्तराखंड; 18 और 21 को पश्चिम उत्तर प्रदेश; 21-23 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश; 18-24 के दौरान केरल और माहे, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक; 18-22 जुलाई के दौरान तमिलनाडु; 18 और 19 को तटीय आंध्र प्रदेश; 18 को पूर्वी मध्य प्रदेश; 19 और 20 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 24 को ओडिशा; 20, 21, 24 को कोंकण और गोवा में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा/ अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **मध्य प्रदेश** में, खड़ी फसलों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **गिर्द क्षेत्र** में धान और आम की रोपाई तथा बाजरा, सोयाबीन और सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। **किमोर पठार और सतपुड़ा पर्वतीय क्षेत्र** में धान की रोपाई और मक्का एवं सब्जियों की बुवाई स्थगित करें। **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन और ज्वार की बुवाई और **बुंदेलखंड क्षेत्र** में सब्जियों और बागवानी फसलों की बुवाई स्थगित करें।
- **राजस्थान** के **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पर्वतीय क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, मूंग, उड़द और मूंगफली की बुवाई स्थगित करें और खड़ी फसलों में जल निकासी सुनिश्चित करें। **दक्षिण-पूर्वी आर्द्र मैदानी क्षेत्र** में सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल और मक्का की बुवाई स्थगित करें और खड़ी फसलों में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें। **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा, तिल, उड़द और सब्जियों के खेतों से और **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा और मूंगफली के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **दक्षिणी उत्तर प्रदेश** में खड़ी फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान की रोपाई और मूंग, उड़द, मूंगफली और तिल की बुवाई; **विंध्य क्षेत्र** में धान की रोपाई और मक्का, अरहर, बाजरा, उड़द, मूंग, मूंगफली और सब्जियों की बुवाई; और **पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में मक्का, ज्वार, अरहर, मूंग, उड़द और सब्जियों की बुवाई तब तक न करें जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर तक न पहुँच जाए।

- **उत्तराखंड** में, सोयाबीन, मक्का, बाजरा, रागी, अरहर, राजमा, सब्जियों और बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों और फलों की कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान, मक्का, अरहर, छोटे अनाज और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। लंबी या कमजोर फसलों को गिरने या टूटने से बचाने के लिए खूंटियों या बांस से सहारा प्रदान करें।
- **बिहार** में, **उत्तर-पूर्वी जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा और सब्जियों के खेतों में वर्षा जल को जमा न होने दें तथा **दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र** के निचले इलाकों में मक्का और सब्जी की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **तटीय कर्नाटक** के **तटीय क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, रोपे गए धान के खेतों और सुपारी व नारियल के बागानों से तथा **पहाड़ी क्षेत्र** में धान की नर्सरियों और मक्का, कपास और अदरक के खेतों तथा सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें। **दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक** में, **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में धान, मक्का, उड़द, मूंग, सेम, लोबिया, गन्ना, सब्जियों एवं अदरक के खेतों तथा कॉफी, काली मिर्च, इलायची, सुपारी और केले के बागानों से तथा **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में धान की नर्सरियों, धान, रागी एवं मक्का के खेतों तथा सुपारी और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **केरल** में, जलभराव को रोकने हेतु धान की नर्सरियों, रोपे गए धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, गन्ना, मूंगफली और रोपे गए धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुविधाएँ सुनिश्चित करें। कपास के कोमल पौधों, गन्ने के छोटे पौधों और केले के फलदार पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।
- **आंध्र प्रदेश** के **उत्तरी तटीय क्षेत्र** में गन्ना, पहले से बोए जा चुके धान, धान की नर्सरियों, तिल, केले और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **कोंकण** में धान और रागी की नर्सरी, मूंगफली, सब्जियों और बागों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में चावल और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

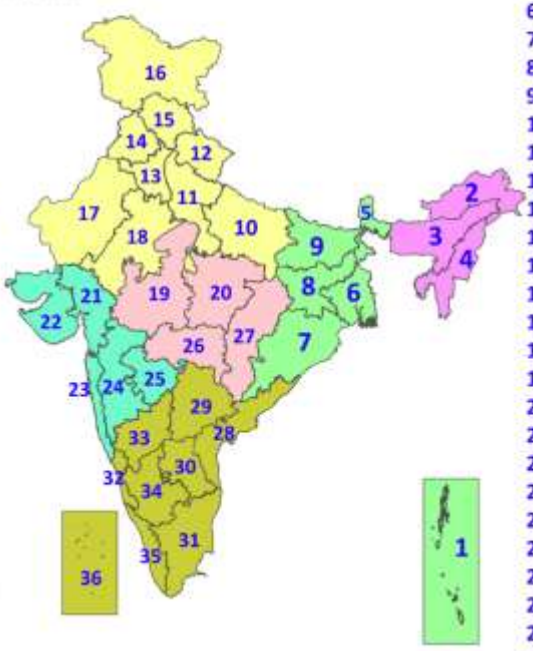

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)